दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-७ वा | गुरूवार २८ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मनोज जरांगे को आजाद मैदान में कल ९ घंटे के आंदोलन की पुलिस से अनुमति!

हालांकि, मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन आंदोलन पर डटे रहने का ऐलान

मुंबई: जमीर काजी की रिपोर्ट

मुंबई: हाई कोर्ट के आंदोलन पर रोक के आदेश और गणेशोत्सव के उत्साह के बावजूद, मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे की अगुआई में मुंबई में अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए कूच किया गया। सरकार ने एक कदम पीछे हटते हुए नरमी दिखाई है। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार, २९ अगस्त को सुबह ९ बजे से शाम ६ बजे तक आजाद मैदान में आंदोलन की अनुमति दी है। हालांकि, केवल ९ घंटे की अनुमति को ठुकराते हुए, मनोज जरांगे ने आरक्षण की मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन आंदोलन का संकल्प बरकरार रखा है। इससे कानून और व्यवस्था का मुद्दा बना हुआ है। इस बीच, सरकार की उप-समिति के अध्यक्ष और मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील ने जरांगे से मुलाकात और बातचीत के लिए तत्परता दिखाई है।

मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन की पुकार देने वाले मनोज जरांगे को हाई कोर्ट ने मंगलवार को मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। लेकिन, पूरे राज्य से एकत्रित हुए मराठा समुदाय के आंदोलनकारियों की मानसिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने एक कदम पीछे हटने का फैसला किया। मुंबई पुलिस ने जरांगे को कुछ शर्तों के साथ २९ अगस्त को आजाद मैदान में केवल एक दिन के भूख हड़ताल की अनुमति दी है। सुबह ९ से शाम ६ बजे तक यह आंदोलन किया जा सकता है।

हालांकि, इस दौरान कोई जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, मनोज जरांगे के साथ केवल पांच वाहनों को लाने की अनुमति दी गई है। २९ अगस्त को सुबह ९ से शाम ६ बजे तक ५ हजार आंदोलनकारियों के साथ आंदोलन की अनुमति दी गई है, लेकिन शनिवार, रविवार, या सरकारी/सार्वजनिक अवकाश के दिनों में कोई अनुमति नहीं दी जाएगी। आंदोलन के दौरान जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी, और पुलिस ने कई शर्तें लागू की हैं। पुलिस की शर्तें और नियम:

मुंबई में किसी जुलूस की अनुमति नहीं होगी। यह आंदोलन केवल एक दिन का होगा।

आंदोलन शुक्रवार को ही करना अनिवार्य होगा, शनिवार, रविवार, या सार्वजनिक अवकाश के दिनों में अनुमति नहीं मिलेगी।

आंदोलन का समय सुबह ९ से शाम ६ बजे तक होगा, इसके बाद वहां कोई नहीं रुक सकता।

मुंबई में केवल कुछ वाहनों को अनुमति होगी। वाहनों की पार्किंग का इंतजाम पुलिस की सलाह से होगा। आंदोलनकारियों के वाहन केवल ईस्टर्न फ्रीवे से दक्षिण मुंबई में प्रवेश करेंगे। शहर के मुख्य मार्गों से प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

मुख्य नेता के साथ केवल ५ वाहनों को आजाद मैदान में प्रवेश की अनुमति होगी। आंदोलन में केवल ५ हजार लोग ही भाग ले सकते हैं।

आजाद मैदान में ७ हजार वर्ग मीटर जगह आंदोलन के लिए आरक्षित की गई है।

अनुमति के बिना माइक या लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं किया जा सकता। आंदोलन स्थल पर खाना पकाने या खाद्य पदार्थ तैयार करने पर पूरी तरह प्रतिबंध होगा।

त्योहार के दिनों को ध्यान में रखते हुए, किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला व्यवहार नहीं किया जा सकता।

छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, और बुजुर्गों को आंदोलन स्थल पर नहीं लाना चाहिए।

मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा:

मुंबई पुलिस की एक दिन के आंदोलन की शर्त स्वीकार्य नहीं है। अगर एक दिन के आंदोलन की अनुमति दी जा रही है, तो एक दिन में मांगें पूरी करें। वरना मांगें पूरी होने तक हम मुंबई नहीं छोड़ेंगे। हमें जो शर्तें लागू की गई हैं, उनका पालन किया जाएगा।

अंबाजोगाई हत्या मामले का आरोपी छह घंटे में गिरफ्तार

अंबाजोगाई, २७ (प्रतिनिधि): अंबा शुगर फैक्ट्री रोड पर स्थित न्यू दरबार होटल में हुई हत्या की गुत्थी अंबाजोगाई शहर पुलिस ने केवल छह घंटे में सुलझा ली। पुलिस ने आरोपी को सोलापुर जिले से गिरफ्तार किया। इस त्वरित कार्रवाई की हर ओर सराहना हो रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, २६ अगस्त की रात करीब साढ़े आठ बजे अविनाश शंकर देवकर (उम्र ३५) अपने दोस्तों के साथ होटल में भोजन कर रहा था। इसी दौरान पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर स्वराज कारभारी पवार (निवासी योगेश्वरी नगरी, अंबाजोगाई) ने धारदार हथियार से अविनाश पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव करने गए सलमान शेख (निवासी झारे गली, अंबाजोगाई) भी जख्मी हुए। गंभीर अवस्था में अविनाश की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। लेकिन गुप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने तुळजापुर पुलिस की मदद से आरोपी का पीछा करते हुए उसे पुणे की ओर भागते समय सोलापुर जिले से गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की जांच एपीआई राजेंद्र घुगे कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि इसमें और भी आरोपियों के शामिल होने की संभावना है। मृतक अविनाश अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, दो बेटियाँ और एक बेटा छोड़ गया है। गणेशोत्सव की पूर्व संध्या पर घर के कर्ता की हत्या से देवकर परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

इस साहसी कार्रवाई को पुलिस निरीक्षक शरद जोगदंड के मार्गदर्शन में एपीआई ज्ञानेश्वर कांबळे, एपीआई राजेंद्र घुगे, पीएसआई पवार, पीएसआई शिंदे, हवलदार भागवत नागरगोजे, पोहेका गायकवाड, गुट्टे और उनकी टीम ने अंजाम दिया।

धारुर शहर के पास तेंदुए का दिखना, घटना का वीडियो वायरल

किल्लेधारुर, २७ (प्रतिनिधि): धारुर वन परिक्षेत्र में दो वर्ष पूर्व मृत तेंदुआ मिला था। अब एक बार फिर धारुर शहर के नजदीकी पहाड़ी इलाके बांगरवाड़ी में तेंदुआ दिखने का वीडियो सामने आया है। इसके बाद इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है।

धारुर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत केज, माजलगांव और वडवणी तालुका का बड़ा हिस्सा आता है। इस क्षेत्र में कई प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। दो साल पहले धारुर के पास वडवणी तालुका के चिखलबीड गांव में गन्ने के खेत में मृत तेंदुआ मिला था। इसके बाद इसी इलाके के वडवणी तालुका के सोनाखोटा गांव में जगन्नाथ लोंढे के खेत में दो तेंदुए देखे गए थे।

फिलहाल त्योहारों का समय चल रहा है और सोशल मीडिया पर धारुर शहर के समीप सारुकवाडी और बांगरवाडी के पहाड़ी इलाके में तेंदुआ दिखने का वीडियो वायरल हो रहा है। इससे लोगों में दहशत फैल गई है।

धारुर वन विभाग से संपर्क करने पर कर्मचारी संभाजी पारवे ने बताया कि वे स्थल पर जाकर निरीक्षण करेंगे। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि घबराएँ नहीं, घरों के पास रोशनी करें और पालतू जानवरों को सुरक्षित स्थान पर बांधकर रखें।

बप्पा का आगमन दोनों भाइयों का मिलन

रिपोर्ट जमीर काजी

मुंबई:

पिछले दो-ढाई महीनों से राज्य की सियासत का ध्यान खींचने वाले उद्धव और राज ठाकरे भाइयों के बीच सुलह का तीसरा अध्याय बुधवार को देखने को मिला। इसके लिए अवसर बना गणपति बप्पा का आगमन। उद्धव ने अपनी पत्नी रश्मी और बेटे आदित्य ठाकरे के साथ दादर स्थित शिवतीर्थ, राज ठाकरे के निवास स्थान पर जाकर उनके गणेश की मूर्ति का दर्शन किया। दोनों परिवारों के बीच करीब दो घंटे तक गपशप चली। दोनों भाइयों के बीच भी कुछ समय तक चर्चा हुई। इस सुलह के कारण आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव में ठाकरे समूह और मनसे के एक साथ आने की केवल औपचारिकता बाकी रह गई है, ऐसा कहा जा रहा है।

इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी दोपहर में राज के घर जाकर उनकी गणेश मूर्ति का दर्शन किया।

पिछले दो दशकों से एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक विरोधी रहे उद्धव और राज ठाकरे के बीच हिंदी अनिवार्यता के विरोध के बहाने फिर से स्नेह के बंधन बुने जा रहे हैं। ५ जुलाई को वरली के डोम में आयोजित विजयी मेला में दोनों एक साथ आए थे। राज ने शिवसेना को 'जय महाराष्ट्र' कहने के बाद यह उनकी पहली राजनीतिक मुलाकात थी। इसके बाद २७ जुलाई को उद्धव ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर राज उनके घर गए थे।

इसके बाद आज उद्धव ने राज के निमंत्रण पर पत्नी रश्मी और आदित्य के साथ दोपहर करीब साढ़े बारह बजे राज के घर पहुंचे। वहां स्थापित श्री गणेश की मूर्ति का सभी ने दर्शन किया। इस दौरान राज की मां, पत्नी शर्मिला, बेटा अमित, बेटी, बहू और चंदू मामा मौजूद थे। इस दौरान करीब दो घंटे तक पारिवारिक गपशप चली। सभी ने साथ में दोपहर का भोजन भी किया। इस बीच राज और उद्धव के बीच एक अलग कमरे में कुछ समय तक चर्चा भी हुई, ऐसा बताया जा रहा है। दोपहर ढाई बजे के आसपास उद्धव और उनके परिवार वाले बंगले से बाहर निकले। इस मौके पर स्थानीय विधायक महेश सावंत, मनसे नेता बाला नांदगांवकर, नितिन सरदेसाई आदि मौजूद थे। ठाकरे भाइयों की इस बढ़ती नजदीकी के कारण आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव के लिए दोनों दल एक साथ आएंगे, इसकी दोनों दलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पूरी उम्मीद है, ऐसा कहा जा रहा है। २२ साल बाद उद्धव राज के घर

गणेशोत्सव के अवसर पर उद्धव ठाकरे आज पूरे २२ साल बाद राज ठाकरे के घर गए। इससे पहले २००३ में श्रीकांत ठाकरे के निधन के समय वे कृष्णकुंज, उनके निवास स्थान पर गए थे और दर्शन किए थे। इसके बाद कुछ साल पहले उद्धव ठाकरे की सर्जरी होने पर राज ने अस्पताल जाकर उनकी खैरियत पूछी थी। उनके डिस्चार्ज होने के बाद राज खुद गाड़ी चलाकर उद्धव को मातोश्री ले आए थे।

बप्पा दोनों भाइयों को एक साथ रखें: मुख्यमंत्री

राज और उद्धव ठाकरे की आज की मुलाकात के बारे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, गणेशोत्सव के अवसर पर अगर दोनों भाई एक साथ आ रहे हैं, तो यह अच्छी बात है। बप्पा दोनों भाइयों को एक साथ रहने की सद्बुद्धि दे। उद्धव के जाने के कुछ समय बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शिवतीर्थ पहुंचकर राज के बप्पा का दर्शन करने वाले हैं। इस बीच, ठाकरे भाइयों के एक साथ आने के लिए गिरगांव क्षेत्र में कुछ स्थानों पर फिर से पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें दोनों भाइयों से मराठी माणूस के हित के लिए एक साथ आने की अपील की गई है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

उमीद पोर्टल पर पंजीकरण सरल और सहज संभव-खुसरोखान

वक्फ बोर्डद्वारा जनजागृति अभियान

औरंगाबाद (प्रतिनिधि) - १९९५ अधिनियम में संशोधन कर अब उमीद अधिनियम २०२५ लागू किया गया है। इसके अनुसार संपत्ति पंजीकरण का केंद्रीकरण करने के लिए उमीद पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर पंजीकरण संस्थाओं को जानकारी भरने की सरल और सहज प्रक्रिया लागू की गई है। इससे भविष्य में विवाद टालना संभव होगा। इसलिए राज्य की सभी वक्फ संस्थाओं के मुतवल्ली और संस्था संचालकों को पोर्टल पर जानकारी भरनी चाहिए, ऐसा आवाहन राज्य वक्फ मंडल के विशेष अधीक्षक खुसरोखान ने किया।

मुतवल्ली और संस्था संचालकों के लिए उमीद अभियान के अंतर्गत, जिला वक्फ अधिकारी औरंगाबाद की ओर से हज हाउस में पहला जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके लिए राज्य वक्फ मंडल के प्रशिक्षित अधिकारियों ने पोर्टल संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विशेष अधीक्षक खुसरोखान प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उन्होंने वक्फ मंडल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सय्यद जुनेद के सुझावानुसार जानकारी देते हुए कहा कि वक्फ संपत्ति के संबंध में पहले चरण में १९९५ के अधीन पंजीकृत ३६ और राजपत्र में दर्ज ४३ संस्थाओं की जानकारी पोर्टल पर भरने को प्राथमिकता दी जाएगी। यह पोर्टल अत्यंत महत्वपूर्ण है और भविष्य की कठिनाइयों पर काबू पाने में सहायक होगा। इस पर कोई भ्रम फैलाने की आवश्यकता नहीं है। राज्य वक्फ मंडल की ओर से जनजागृति अभियान पूरे राज्य में चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ८ अप्रैल २०२५ से पूर्व स्थापित संस्थाओं की जानकारी अब पोर्टल पर आसानी से भरी जा सकती है। इसके चलते राज्य की वक्फ संस्थाओं को नया नंबर प्राप्त होगा। इस पोर्टल पर जानकारी भरने की प्रक्रिया अत्यंत सरल है।

इस अवसर पर पोर्टल के संबंध में जानकारी जिला वक्फ अधिकारी शोएब मुसा ने दी, जबकि उपस्थित लोगों के प्रश्नों के उत्तर नोडल अधिकारी शेख सोहेल ने दिए। वक्फ मंडल के लेखाधिकारी सय्यद फिरासत हुसैन, सय्यद फैजान सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में विशेष अधीक्षक खुसरोखान ने कहा कि यदि किसी को पोर्टल संबंधी शंका हो तो वे जिला वक्फ अधिकारी औरंगाबाद से संपर्क कर उसका समाधान कर सकते हैं। अंत में नोडल अधिकारी शेख सोहेल ने उपस्थितों का आभार व्यक्त किया।

बालेपीर क्षेत्र में सिग्नल व्यवस्था लगाई जाए-मोहम्मद खमरूद्दीन

बीड़ शहर के बालेपीर क्षेत्र से गुजरने वाला बीड़-अहिल्यादेवी नगर महामार्ग एक प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग पर पुराने नगर नाका से पुलिस पेट्रोल पंप तक लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम ने बालेपीर निवासी परेशान कर दिए हैं। यहां ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बन चुकी है।

सार्वजनिक यातायात को सुचारु और सुरक्षित बनाए रखने के दृष्टिकोण से बालेपीर में सिग्नल लगाए जाने की मांग बीड़ जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के शहर अध्यक्ष मोहम्मद खमरूद्दीन ने जिलाधिकारी से की है।

मोहम्मद खमरूद्दीन ने अपने निवेदन में कहा है कि शहर के बालेपीर क्षेत्र में यातायात का अत्यधिक दबाव है। इस क्षेत्र के चौक में सिग्नल और अन्य नियंत्रण व्यवस्था न होने से नागरिकों के जीवन को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

धानोरा रोड, पुलिस कॉलोनी, अंकुश नगर, ग्रामसेवक कॉलोनी, कालिका नगर, भक्ति कंस्ट्रक्शन, अजमेर नगर रोड, काज़ी नगर, रोशनपुरा, बालेपीर, चराटा फाटा सहित इस क्षेत्र के नागरिक, स्कूल के विद्यार्थी, बुजुर्ग, महिलाएं तथा बाजार, हाट, जिलाधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय, न्यायालय, पंचायत समिति, लोक निर्माण विभाग आदि कार्यालयों के लिए जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस मार्ग से चार पहिया, ऑटो रिक्शा, दोपहिया वाहन, मालवाहक गाड़ियां, निजी ट्रैवल्स बसें तथा भारी वाहन गुजरते हैं। पिछले कुछ समय में यहां हुए सड़क हादसों में कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। लगातार ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है।

प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम न उठाने से ट्रैफिक जाम की समस्या और गंभीर होती जा रही है। सार्वजनिक यातायात को सुचारु और सुरक्षित रखने के दृष्टिकोण से पुराने नगर नाका, धनगर रोड टी प्वाइंट और पुलिस पेट्रोल पंप पर सिग्नल व्यवस्था लगाई जाए और जब तक यह व्यवस्था नहीं होती, तब तक वहां ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी लगाई जाए। इससे बालेपीर क्षेत्र के यातायात में अनुशासन आएगा और ट्रैफिक बाधित नहीं होगा, ऐसा निवेदन खमरूद्दीन ने किया है।

एशियन हज और उमराह टूर्स के बीड़ कार्यालय का उद्घाटन, गणमान्य व्यक्तियों की हाजरी।

बीड़ (संवाददाता)

एशियन टूर एंड ट्रैवल्स, मुंबई के बीड़ शाखा का उद्घाटन बलभीम चौक, एक मीनार मस्जिद के पास औपचारिक रूप से संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में उलेमा-ए-किराम के साथ-साथ शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और टूर के आयोजकों, नसीर अहमद खान, सैयद मज़हर अली और सैयद उमर अली को बधाई दी। उपस्थित लोगों में पूर्व विधायक, नगरपालिका सदस्य, व्यापारी, पत्रकार, डॉक्टर, वकील, शिक्षक और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल थे।

कंपनी को हज और उमराह सेवाओं के क्षेत्र में ३१ वर्षों का सफल अनुभव है और अब तक ३१,५०० से अधिक हज यात्रियों को सुविधाएं प्रदान कर चुकी है। बीड़ में शाखा के स्थापित होने से स्थानीय हज यात्रियों को हज और उमराह के संबंध में और अधिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

राजगढ़ शुगर फैक्ट्री को ४०२.९० करोड़ के कर्ज़ को मंजूरी, बीड जिले के आष्टी मे न्यायालय कि मंजुरी।

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई

पुणे जिले के भोर तालुका स्थित अनंतनगर निगडे की राजगढ़ सहकारी शुगर फैक्ट्री को कार्यशील पूंजी के लिए ४०२ करोड़ ९० लाख रुपये के मार्जिन मनी लोन के प्रस्ताव को मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

शर्त रखी गई है कि प्रस्ताव भेजने से पहले फैक्ट्री को केंद्र सरकार से आवश्यक मंजूरी और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही २५ जून २०२५ के शासन निर्णय की शर्तों का पालन करना होगा। इसके साथ ही अहमदनगर जिले के शेवगांव तालुका स्थित संघर्ष योद्धा बबनराव ढाकणे केदारेश्वर सहकारी शुगर फैक्ट्री को भी ३९.८८ करोड़ रुपये का टर्म लोन राज्य सहकारी बैंक से लेने की मंजूरी दी गई। इस ऋण के लिए फैक्ट्री का संचालक मंडल व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से ज़िम्मेदार रहेगा। ऋण वितरण से पहले सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करनी होंगी।

तलवार रखने वाला युवक गिरफ्तार

मजलगांव, २७ (प्रतिनिधि): दिंद्रुड पुलिस ने संगम फाटा क्षेत्र में की गई कार्रवाई में तलवार रखने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए युवक से लोहे की तलवार बरामद की गई है और दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, २६ अगस्त की सुबह लगभग साढ़े पाँच बजे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संगम शिवार इलाके में छापा मारा। छापेमारी के दौरान दो संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगे। इनमें से एक भागने में सफल रहा, जबकि दूसरे को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम शेख तोफिक शेख यूनूस (निवासी इंदिरानगर, पाथरी, जिला परभणी) बताया। वहीं फरार युवक का नाम रवी भास्कर पवार (निवासी सागर कॉलोनी, पाथरी, जिला परभणी) होने की जानकारी सामने आई।

गिरफ्तार शेख तोफिक की तलाशी लेने पर पंचों की मौजूदगी में लोहे की तलवार बरामद की गई। इस मामले में शेख तोफिक शेख यूनूस और रवी भास्कर पवार, दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच दिंद्रुड पुलिस उपनिरीक्षक ढाकणे के मार्गदर्शन में जारी है।

बीड ज़िले में भ्रष्टाचार निर्मूलन समितियों का बढ़ता जाल

मजलगांव / प्रतिनिधि

ज़िले में भ्रष्टाचार निर्मूलन समितियों का जाल फैलता जा रहा है। भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के नाम पर सूचना का अधिकार और निवेदन देकर ब्लैकमेलिंग करने वालों पर मुकदमा दर्ज किया जाए, ऐसी मांग अंबेडकरी विचार मोर्चा के मराठवाड़ा अध्यक्ष सैयद सलीम बापू ने की है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से बीड ज़िले में भ्रष्टाचार निर्मूलन समितियों की भरमार हो गई है। इन समितियों के पदाधिकारियों द्वारा खुलेआम ब्लैकमेलिंग की जा रही है। ज़िलाधिकारी कार्यालय, ज़िला परिषद कार्यालय, पंचायत समिति,

भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के नाम पर ब्लैकमेलिंग करने वालों पर मुकदमा दर्ज हो-सैयद सलीम बापू

नगर परिषद, तहसील कार्यालय, सार्वजनिक निर्माण विभाग आदि कार्यालयों में और विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों पर सूचना का अधिकार और निवेदन देकर भ्रष्टाचार के नाम पर ब्लैकमेलिंग कर पैसों की उगाही की जा रही है। भ्रष्टाचार समिति के नाम पर एक ही व्यक्ति बार-बार एक ही कार्यालय में सूचना के आवेदन देकर धौंस जमाते हुए दिखाई देता है।

भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के राज्य अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसी पदवियां खुद ही बनाकर सरकारी कार्यालयों में घुसकर अधिकारी और कर्मचारियों पर दबाव बनाकर ब्लैकमेलिंग का यह गोरखधंधा चलाया जा रहा है। ऐसे सभी लोगों पर लगाम कसने की ज़रूरत है।

माननीय ज़िलाधिकारी कार्यालय के अंतर्गत सरकारी भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति पहले से ही कार्यरत है, फिर भी ज़िले में स्वयंभू अनेक भ्रष्टाचार निर्मूलन समितियां सक्रिय नज़र आती हैं। सहायक धर्मादाय आयुक्त कार्यालय को भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के नाम पर समितियों का पंजीकरण देने का अधिकार है या नहीं? ज़िले में भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के नाम पर कितनी समितियां हैं, उनके पदाधिकारी कौन-कौन हैं, उनके पास कितनी संपत्ति है और वह संपत्ति कहां से आई है - इसकी जानकारी ज़िलाधिकारी महोदय लें।

ऐसी मांग अंबेडकरी विचार मोर्चा के मराठवाड़ा अध्यक्ष सैयद सलीम बापू ने प्रेस माध्यमों को दिए गए एक पत्रक के ज़रिए की है।

धन शोधन का गुजरात मॉडल-काले धन का खेल

५ वर्षों में अज्ञात राजनीतिक दलों को ४३०० करोड़ का चंदा

४३ उम्मीदवारों का कुल खर्च केवल ३९ लाख रुपये, ५४ हज़ार वोट

हबीब शेख, अहमदाबाद

अगर आप जानना चाहते हैं कि काले धन को सफेद कैसे किया जाता है, तो आपको गुजरात की दस अज्ञात पार्टियों को मिले चुनावी चंदे यानी चंदे का ब्यौरा जानना होगा। केरल से लेकर कश्मीर और पोरबंदर से लेकर त्रिपुरा तक के चंदादाताओं ने इन अज्ञात राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने के लिए भारी धनराशि दी थी। अजीब बात यह है कि इन पार्टियों के कार्यालय या तो किसी दुकान में हैं, या एक कमरे के फ्लैट में, या किसी चाली और गाँव में। एक पार्टी का कार्यालय एक पुरानी इमारत में था जो चुनाव के बाद बंद हो गई।

इसका मतलब है कि काले धन को सफेद करने के लिए व्यापारियों या कर चोरों ने बड़ी रकम चंदे में दी होगी और कर के बाद की रकम नकद ली होगी। ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि कुल दस राजनीतिक दलों ने विधानसभा में ४३ उम्मीदवार खड़े किए और उन पर ३९ लाख रुपये खर्च किए। ये दस दल वे हैं जिनके नाम किसी ने भी नहीं सुने हैं, लेकिन उन्हें ४३०० करोड़ रुपये का चंदा मिला, भास्कर दैनिक ने अपनी शोध रिपोर्ट में बताया।

इन दस दलों में लोकशाही सत्ता पक्ष, भारतीय राष्ट्रीय जनता दल, स्वतंत्र प्रकाश पार्टी, न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी, सत्यवादी रक्षक पार्टी, भारतीय जन परिषद, सौराष्ट्र जनता पक्ष, जनमन पार्टी, मानव अधिकार राष्ट्रीय पार्टी और गरीब कल्याण पार्टी शामिल हैं। इनमें से लोकशाही सत्ता पार्टी को १०४६.५५ करोड़ रुपये से अधिक का चंदा मिला, जिसने केवल चार उम्मीदवार खड़े किए और ३९९७ वोट पाने के लिए १०३०.९३ लाख रुपये खर्च किए। यह कितना आश्चर्यजनक है? इसी तरह, भारतीय राष्ट्रीय जनता दल को ९६१.९७ करोड़ रुपये का चंदा मिला। उसके बाद, अज्ञात लोगों ने स्वतंत्र प्रकाश पार्टी को ६६३.४७ करोड़ रुपये का चंदा दिया। इस पार्टी ने चुनाव में अपने केवल छह उम्मीदवारों पर १२.१८ लाख रुपये खर्च किए। शेष राशि का कोई हिसाब नहीं रखा गया। यह स्पष्ट रूप से देखा जाता है कि दान केवल काले धन को सफेद करने के लिए दिया गया होगा। इस प्रकार, कुछ लोगों ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए ऐसी पार्टियाँ बनाईं या मौजूदा पार्टियों के साथ मिलकर काले धन को सफेद करने की साजिश रची। न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी ने अपने चार उम्मीदवारों को जिताने के लिए चंदे में मिले ६०८.१४ करोड़ रुपये में से ४०७.४३ करोड़ रुपये खर्च कर दिए, फिर भी इन चार उम्मीदवारों को केवल ९०२९ वोट मिले। हालाँकि, इस पार्टी ने चुनावों के लिए केवल १.६१ लाख रुपये खर्च किए थे और शेष धन का हिसाब भी नहीं दिया था।

इसी तरह, मानवाधिकार राष्ट्रीय पार्टी, जिसे कुल १२०.४० करोड़ रुपये का चंदा मिला, ने केवल दो उम्मीदवारों पर ८२ हजार रुपये खर्च किए थे। गरीब कल्याण पार्टी ने खर्च का ब्योरा भी नहीं दिया था। कुछ पार्टियों ने तो लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा में भी अपने उम्मीदवार उतारे थे। पिछले पाँच सालों में इन पार्टियों ने ऑडिट रिपोर्ट में ३५२.१३ करोड़ रुपये का खर्च दिखाया था। ये अज्ञात पार्टियां गुजरात में पंजीकृत हैं और इन्हें २०१९-२० से २०२३-२०२४ तक कुल ४३०० करोड़ रुपये मिले। चुनाव आयोग के पंजीकरण के अनुसार, केरल से लेकर कश्मीर और पोरबंदर से लेकर त्रिपुरा तक के लोगों ने इन पार्टियों को चंदा दिया। चुनाव आयोग को भेजी गई अपनी व्यय रिपोर्ट में इन पार्टियों ने कुल ३९.०२ लाख रुपये ही खर्च दिखाए।

इन पार्टियों ने जनकल्याण पर ८०२ करोड़ रुपये और मनोरंजन व हस्तशिल्प पर ५८ करोड़ रुपये खर्च दिखाए। साथ ही, प्राप्त दान राशि में से ९८ करोड़ रुपये कर्ज चुकाने के लिए दिए गए। भारतीय राष्ट्रीय जनता दल को सबसे अधिक १७५००००० रुपये मिले जो राजस्थान की हिसीमा फार्मा ने दिए। उसके बाद महाराष्ट्र के पेशवा आचार्य ने ७४ लाख रुपये दिए। फिर गुजरात के जयेश पटेल ने २२ लाख रुपये दिए।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अनुसार, इन पार्टियों ने मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी की है। उन्होंने चुनाव आयोग से इन पार्टियों को मिले चंदे की जानकारी की पुष्टि करने का अनुरोध किया है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com